भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2754
19/12/2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

देश में प्राकृतिक आपदाएं

2754. श्री जी.सी चन्द्रशेखर:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या देश में प्राकृतिक आपदाओं की संख्या में वृद्धि हुई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार वास्तविक समय आंकड़ा निगरानी और आंकड़ा संग्रह की प्रक्रिया में सुधार के लिए देश में और अधिक भूकंप विज्ञान केंद्र खोलने का विचार रखती है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) मंत्रालय ने "भारतीय क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन मूल्यांकन" नामक एक विस्तृत जलवायु परिवर्तन मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार किया है, जिसमें दीर्घकालिक डेटासेट का प्रयोग करते हुए वर्षा एवं तापमान के विभिन्न पहलुओं को कवर किया गया है। यह रिपोर्ट https://link.springer.com/book/10.1007/978-981-15-4327-2 पर उपलब्ध है। वर्ष 1950–2015 के दौरान दैनिक वर्षा अतिविषमताओं (150 मिमी प्रति दिन से अधिक तीव्र वर्षा) की आवृत्ति में लगभग 75 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वर्ष 1951-2015 के दौरान सूखा पड़ने की आवृत्ति और इसके क्षेत्र में बहुत अधिक वृद्धि हुई है।

(ख)-(ग) जी हां। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय का संबद्ध कार्यालय तथा देश में भूकंप निगरानी के लिए भारत सरकार की नोडल एजेंसी राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (NCS) वर्तमान में 166 वेधशालाओं वाले राष्ट्रीय भूकंप-विज्ञान नेटवर्क का रखरखाव करता है, यह नेटवर्क देशभर में फैला हुआ है, इसकी सहायता से देशभर में एवं इसके आस-पास भूकंपीय क्रियाकलापों की निगरानी की जाती है, इसके पास देश के अधिकांश भागों में 3.0 तीव्रता वाले भूकंप का पता लगाने की क्षमता है। भूकंप से संबंधित जोखिमों का शमन करने के लिए विभिन्न उपाय किए गए हैं, जिसमें भूकंप का समयोचित पता लगाना सुनिश्चित करने के लिए भूकंपीय निगरानी नेटवर्क का विस्तार, तथा चेतावनियों का प्रसारण शामिल हैं।

****